

जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

ग्रममत पाप अवलोकन कुलसंचित विभागीय
विश्वविद्यालय के नाम से ही किया जाते हैं जि
ले की अप्य प्रशिक्षणी के नाम है।
एकलपक्ष विषय पर जीव गुरु से प्र
वक्तव्य दूषा से जो एक उपायक उत्तर दिया
जाता है वह उसे जीव गुरु से प्रशिक्षणी के नाम है।



पत्र : विभागीय
दृष्टिकोण : ०५६१-(०८५) २४४२८००
(विभागीय)
२४४२८०२ (विभाग)
फ़ोन : ०५६१-०८५-२३४१७५८
E-mail : jureg_gwl@rediffmail.com
Website : <http://www.jiwaji.edu.in>

ठेकेदार :
कुलसंचित,
जीवाजी विश्वविद्यालय
ग्वालियर

प्रकल्पांक : एकांक/सम्बन्धांक/2012/ ५७१०

दिनांक : १३/१२/१२

// अधिसूचना //

विश्वविद्यालय अधिविनायम १९७३ की तात्त्व २६(i)(v) एवं २४(xii) के अन्तर्गत कर्तव्यपरिषद् की
वैठक दिनांक ०७ अगस्त, २०१२ के पद क्रमांक (०२) के विषयानुसार पं. दीक्षदाल उपाध्याय
महाविद्यालय, पोरा, जिला-मुरैना को सम. २०११-१२ के लिये प्रत्याहित/अंबालेत वी.ए. तृतीय वर्ष,
(जा.पा. मृगी, इतिहास, गणितीशास्त्र, लिंगी राजिका, अर्थशास्त्र), वी.कॉर्ग. तृतीय वर्ष, वी.एस.सी.
तृतीय वर्ष, (जा.पा. गणित, रसायन, भौतिकी, चंद्रियांगी), वी.ए. क्रिटीय वर्ष, (अतिवि. समाजशास्त्र,
अंग्रेजी), वी.एस.-सी. छिटीय वर्ष, (अतिवि. कन्याकुट राष्ट्र), पाठ्यक्रम के लिये अल्पाई सम्बन्धता
लिन्न शर्तों के साथ प्रदान होती जाती है।

शर्तें एवं प्रतिक्रिया :-

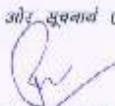
१. प्राचार्य एवं तकनीकि कर्मचारियों की नियुक्तियां परिविवरण २४ के अन्तर्गत
शीघ्र ही जावें।
२. शिक्षकों की परिविवरण २४ के अन्तर्गत नियुक्तियां महाविद्यालय द्वारा कहा ली
जायी हैं जो कि पर्याप्त नहीं हैं। अतः पाठ्यक्रमानुसार एक-एक शिक्षक की
ओर नियुक्ति ही जावे।
३. रु. ५०,०००/- की पुरतक क्रय की जावे।
४. परिविवरण २४ एवं २२ का पालन किया जावे।

आदेशानुसार

कुलसंचित

प्रति.

१. प्राचार्य, पं. दीक्षदाल उपाध्याय ग्रामविद्यालय, पोरा, जिला-मुरैना
२. आमुसन, गणप्रदेश भारत, उच्च शिक्षा विभाग, राज्युक्त अकादमी, भारत।
३. शेषीय अतिविवरण लंगालक, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, अधिवित-चंबल कंभान, मोती नहल
परिषद्, वारिलियर।
४. उप-मुख्यमंत्री (प्रोटोकॉलोपर्टी), जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
५. अधीक्षक, परीक्षा कक्षा क्रमांक-०३, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर की ओर सुननावे एवं अवश्यक
तार्यालाई हेतु।


सहायक कुलसंचित (सम्बन्धता)